सीएम डॉ. यादव के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगामी 18 जुलाई को पन्ना जिला मुख्यालय पर भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। पन्ना आगमन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होकर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करेंगे।

कलेक्टर ऊषा परमार ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन के पूर्व सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में संबंधित विभाग के जिलाधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के गंभीरतापूर्वक निर्वहन के लिए निर्देशित किया। साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा कर शासकीय सेवकों को लापरवाही न बरतने की हिदायत भी दी। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि विभाग स्तर पर त्वरित रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने की कार्यवाही की जाए।

समय सीमा में शहर के भीतर की सड़कों का मरम्मत कार्य भी पूर्ण करें। साथ ही मड़ला-खजुराहो सड़क मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर शोल्डर लगवाने तथा इसके लिए वन विभाग से समन्वय कर समय पर आवश्यक अनुमति भी प्राप्त कर लें। बैठक में पन्ना शहर के बायपास से कचरा हटवाने तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सहित मेडिकल टीम की तैनाती और लोकार्पण और शिलान्यास कार्य के संबंध में भी चर्चा हुई।

इसके अलावा हेलीपैड एवं मुख्य कार्यक्रम स्थल पर सभी जरूरी प्रबंध तथा पार्किंग एवं बेहतर यातायात व्यवस्था के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रवास कार्यक्रम और कार्यक्रम के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। विभाग प्रमुखों द्वारा अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी बैठक में हुई चर्चा के संबंध में अवगत कराया जाए। सभी इंतजाम पुख्ता हों।

दो दिवस पूर्व रिहर्सल सहित अन्य तैयारियों के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान तथा अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

मुआवजा में अनियमतता को लेकर चिता आंदोलन जारी

पन्ना, 06 जुलाई। केन-बेतवा लिंक परियोजना सहित मझगांय, रून्ज परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित ग्रामीणों का चिता आंदोलन तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने प्रशासन पर दमनकारी रवैया अपनाने, सुविधाओं में कटौती करने और विस्थापन प्रक्रिया में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं। आंदोलनकारियों का आरोप हैं कि विस्थापन से पूर्व प्रभावित परिवारों को उचित नोटिस नहीं दिया गया तथा सभी पात्र परिवारों को मुआवजा नहीं मिला। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि ग्राम सभा और आम सभा की अनदेखी कर मनमाने तरीके से मुआवजा निर्धारण किया गया, जिससे कई परिवार आज भी लाभ से वंचित है। प्रशासन द्वारा आंदोलन स्थल पर राशन, पेयजल, बिजली और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति पर भी रोक जैसी स्थिति उत्पन्न की जा रही है, जिससे उनका आक्रोश और बढ़ गया है। आदिवासी महिलाओं सहित कई ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल करने के लिए दबाव और डर का माहौल बनाया जा रहा है।

तेज बारिश से सड़कों पर बहा कचरा और गंदगी

सफाई की खुल रही पोल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। जिले में गत दिवस रविवार देर रात अचानक मौसम ने करवट ली और झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी। लगभग एक घंटे तक लगातार हुई बारिश से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर शहर की चरमराई सफाई व्यवस्था की पोल खुलकर सामने आ गई।

प्रमुख सड़कों पर गंदगी, कीचड़ और नालियों का पानी बहता नजर आया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश की शुरुआत करीब 10 बजे के बाद हुई, जो रुक-रुक कर देर रात तक जारी रही। अचानक हुई बारिश के कारण जहां मौसम सुहाना हो गया, वहीं शहर के निचले इलाकों में पानी भरने की नौबत बन गई। कई स्थानों पर सड़कों पर कचरा और प्लास्टिक बहकर आ गया जिससे आवागमन बाधित हुआ। निवासियों ने आरोप लगाया, नगर पालिका की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश के दौरान गंदगी और कचरा सड़कों पर फैल गया है। कई जगहों पर नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य मार्गों पर बहने लगा, जिससे दुर्गंध और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

सुबह जब लोग अपने घरों से बाहर निकले तो उन्हें कीचड़ और गंदगी के बीच से गुजरना पड़ा। व्यापारिक क्षेत्रों में भी बारिश का असर देखने को मिला। दुकानों के सामने पानी और गंदगी जमा होने से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हुई। कुछ दुकानदारों ने बताया कि हर बार बारिश के बाद ऐसी ही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। दूसरी ओर, किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने इस बारिश को राहत के रूप में देखा है। हालांकि शहर की बदहाल स्वच्छता व्यवस्था ने बारिश की खुशी को फीका कर दिया है। नागरिकों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई कराई जाए और जल निकासी व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान ऐसी समस्या न उत्पन्न हो। अजयगढ़ नगर में रविवार को पूरे दिन भीषण उमस और गर्मी से लोग परेशान रहे।

सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे मौसम में भारी गर्मी और असहज स्थिति बनी रही। उमस के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम करीब 7.30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद तेज बिजली चमकने के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई।

सेफ क्लिक-2026 अभियान के 13 वें दिवस साइबर पोर्टल जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्य स्तरीय साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान सेफ क्लिक-2026, 2.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में अभियान के 13वें दिवस जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामों में साइबर पोर्टल जागरूकता विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को संचार साथी एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित नागरिकों को बताया गया कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी हो जाता है, तो वे संचार साथी पोर्टल के माध्यम से मोबाइल को तत्काल ब्लॉक कर सकते हैं तथा उसके ट्रैकिंग एवं पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर सकते हैं। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल अथवा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे धोखाधड़ी की गई राशि को समय रहते होल्ड अथवा रिकवर किए जाने की संभावना बढ़ जाती है।

इसी क्रम में नागरिकों को बैंकिंग की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि किसी बैंक खाते पर किसी जांच एजेंसी अथवा साइबर अपराध की जांच के दौरान लगाया गया है और खाताधारक वैध दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह संबंधित बैंक के माध्यम से ळ्ल्ड पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। इस प्रक्रिया से शिकायतों का ऑनलाइन निस्तारण एवं संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा संबंधी पेम्फ्लेट एवं जागरूकता सामग्री का वितरण किया गया तथा उपस्थित नागरिकों को संचार साथी/पोर्टल, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल बैंकिंग पोर्टल एवं राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई।

खरीफ की चल रही तैयारी, खाद प्राप्त करना बड़ी चुनौती, संकट हुआ तो किसान होंगे परेशान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। खरीफ के सीजन में यदि खाद एवं डीजल का संकट हुआ तो इस वर्ष कई किसान धान की बोनी नहीं कर पायेंगे। यह भी संभव है कि खरीफ के सीजन में इस वर्ष बोनी का रकबा भी गत वर्षों से काफी कम रहे।

फिलहाल किसान पर्याप्त बारिस का इंतजार कर रहा है बावजूद इसके कई किसान बोनी की तैयारियां शुरू कर चुके हैं। किन्तु आने वाले कुछ ही दिनों में बोनी को लेकर मारामारी शुरू हो सकती है। जिसमें सबसे अधिक मांग खाद एवं डीजल की हो रही है। जबकि खाद का संकट इस वर्ष गत वर्ष की अपेक्षा अधिक गहराता दिखाई दे रहा है।

पहले फार्मर आईडी फिर खाद टोकन के लिये बुकिंग -इस वर्ष किसान को यदि खाद लेनी है तो पहले उसे फार्मर आईडी बनवाना होगा। इसके लिये भी एक प्रक्रिया निर्धारित है। कई किसानों की फार्मर आईडी बन चुकी है तो कई किसानों की अभी नही बन पाई। फार्मर आईडी बनवाने के बाद किसान को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद का टोकन प्राप्त करने के लिये आनलाईन प्रयास करने होंगे। जब टोकन मिल जायेगा तभी उपलब्धता के आधार पर खाद मिल पायेगी अन्यथा टोकन लेकर भटकना पड़ेगा। कर्ज से खाद लेने वाले किसानों को समितियों से खाद मिलती है जबकि नकद खरीदी करने वाले किसान बाजार से अथवा विपणन केन्द्रों में बनाई गई व्यवस्था के अनुसार नकद खरीदी करते थे। किन्तु इस वर्ष नकद खरीदी में भी टोकन की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर इस तरह की स्थिति इसलिये है क्योंकि खाद का संकट है। लिहाजा खाद व डीजल के लिये किसान दौड़ता रहे, भटकता रहे, अंत में वह खेती से ही सन्यास ले ले यही समझ में आता है। यही कारण है कि इस वर्ष लगता है कि कई किसान खरीफकी खेती ही नही कर पायेंगे।

इस वर्ष कई चुनौतियां - खरीफमें इस वर्ष किसानों के सामने कई चुनौतियां हैं। इसलिये देखना यह होगा कि किसान उन चुनौतियों का किस तरह सामना करता है। डीजल में प्रतिबंध के चलते उसे बार-बार ट्रैक्टर लेकर तेल टंकियों तक भटकना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में हर जगह दस-बीस किलोमीटर या उससे भी दूरी पर तेल टंकियां होती हैं। फिर वहां पर्याप्त मात्रा में तेल का भण्डारण नहीं होता। ऐसी स्थिति में यदि डीजल के लिये किसान को काफी समय जाया करना होगा। पहले किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार डीजल का संचय कर लेता था। लिहाजा वह उपयोग करता रहता था। किन्तु अब वह ऐसा नहीं कर पायेगा। कई किसान जिनके पास ट्रैक्टर नहीं हैं उनके लिये खेती काफी महंगी हो सकती है। इसके आगे भी संकट है क्योंकि यदि पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं गिरा, समय पर नहीं बारिस नहीं हुई तो सिंचाई के लिये बिजली की आवश्यकता होगी।

खातों को लेकर भी विसंगतियां

ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसानों के खाते संयुक्त परिवार होने से अलग नहीं हो पाये। कई किसान जो मृत हो चुके हैं उनकी जमीनों का वारिसाना नहीं हो पाया। कई किसान गांव से बाहर प्राइवेट या सरकारी नौकरियों पर हो सकते हैं। कई किसान ऐसे भी होंगे जो वृद्ध होंगे, जो चलने फिरने में असहाय होंगे, जो आनलाईन बुकिंग तक नहीं कर सकते। जो बुकिंग के लिये किसी कियोस्क तक नहीं जा सकते। उनका क्या होगा। कहने के लिये ई-विकास पोर्टल में भले ही ऐसे किसानों के लिये व्यवस्था दी गई हो किन्तु जब वह कार्यरूप में सामने आयेगा तब पता चलेगा कि इस तरह की वर्किंग से किसान का कितना समय जाया होगा। फिर यदि खाद की उपलब्धता नहीं हो पाई तो कई किसान टोकन लेकर ही भटकते रहेंगे।

रैपुरा एवं शाहनगर परिक्षेत्र में शीतल मुक्त धाम के तहत किया गया पौधरोपण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक संवेदनशीलता और प्लास्टिक कचरे के सदुपयोग के अनूठे समन्वय के साथ शीतल मुक्तिधाम अभियान की शुरुआत की गई है।

वन महोत्सव के विशेष अवसर पर आयोजित इस अभियान के अंतर्गत रैपुरा वन परिक्षेत्र के बगरौड़ एवं बघवारकला तथा शाहनगर वन परिक्षेत्र के ताला मुक्तिधाम में जनप्रतिनिधियों, ग्राम वन समितियों और वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से पीपल, बरगद, नीम, करंज, इमली और शीशम जैसी छायादार एवं दीर्घायु प्रजातियों का वृहद पौधारोपण किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उन मुक्तिधामों को हरित और छायादार बनाना है जहाँ वर्तमान में वृक्षों की कमी के कारण विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को अत्यधिक गर्मी और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कार्यक्रमों के दौरान बगरौड़ में स्थानीय निवासी हुकमा कोरी ने पौधों को नियमित पानी देने का दायित्व स्वेच्छा से स्वीकार किया, वहीं ताला मुक्तिधाम में वनरक्षक उदयभान सिंह ने ग्रामीणों को अभियान की अवधारणा से अवगत कराकर सभी को पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस दौरान सरपंच प्रभा बाई, जनपद सदस्य अरविंद यादव, रमेश चौधरी, अरविंद सिंह, श्रीमती गुड्डी बाई सहित वन विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगर कांग्रेस अमानगंज ने किया अनूठा प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

अमानगंज, 06 जुलाई। अमानगंज नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वसीम खान के नेतृत्व में अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें आज नगर अमानगंज के सभी कार्यकर्ता एकत्रित होकर वार्ड नंबर 06 स्थित रेस्ट हाउस मोहल्ला पहुंचे और खेत खलिहान में तब्दील सड़क पर धान की रूपाई की एवं अमानगंज पन्ना मुख्य मार्ग में पुल के पास काफी समय से स्थित गड्ढे पर पर खड़े होकर कार्यकताओं ने गड्ढे का तीसरा जन्मदिवस मनाया।

क्षेत्रीय सांसद विष्णु दत्त शर्मा, क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेश वर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष सारिका खटीक एवं मुख्य नगर परिषद अधिकारी को बधाई प्रेषित की। पत्रकारों को जानकारी देते हुए नगर कांग्रेस अध्यक्ष वसीम खान ने बताया कि कांग्रेस द्वारा बारिश के मौसम आने से 2 माह पूर्व नगर परिषद अधिकारी को ज्ञापन एवं आवेदन में माध्यम से मांग की थी मीठे पानी की पाइप लाइन के लिए पूरी सड़क खोदी गई लेकिन न ही पाइप डाली गई न ही सड़के सुधारी गई जिससे सड़क चलने के लायक नही है इसलिए धान रूपाई कि गई एवं नगर के मुख्य मार्ग में काफी समय से सड़क के किनारे गड्ढा है प्रशासन को बार बार बताने के बाद भी गड्ढा नही भरा गया इसलिए गड्ढे की तीसरी वर्षगांठ मना कर विरोध प्रदर्शन दर्ज किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला महासचिव रामभगत सोनी, जिला महासचिव दिनेश पांडे, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हक्कून दहायत, हबीब खान, मुन्ना चौधरी, राजू खान, मुन्ना चौधरी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराज सागर तालाब के पुनर्जीवन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का समापन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में स्थानीय महाराज सागर तालाब के पुर्नजीवन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का सोमवार को समापन हुआ। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य और सक्रिय भागीदारी करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान किया गया।

जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में एवं कार्ययोजना मुताबिक समस्त लोकसेवकों सहित सर्वसमाज के लोगों व विभिन्न संस्थाओं द्वारा महाराज सागर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में सहभागिता की गई। सांसद ने कहा कि जल स्त्रोतों को बचाने की मुहिम प्रेरणादायी है। हर परिस्थिति में विरासत को सहेजना आवश्यक है। पूर्वजों ने पानी संजोने और जल स्त्रोत की निरंतर उपलब्धता के लिए सराहनीय प्रयास किया था। कार्यक्रम में उपस्थित पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना नगर के प्राचीन महाराज सागर तालाब को जिला प्रशासन के नेतृत्व में समर्पित टीम द्वारा नवस्वरूप प्रदान किया गया है। इसके लिए पूरी टीम बधाई की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि तालाबों की नगरी पन्ना को निरंतर रूप से स्वच्छ बनाए रखना जरूरी है। 16 तालाबों के परिसर की स्वच्छता व साफ-सफाई से नागरिकों को भी दायित्व बोध होगा और यह प्रयास बेहतर उदाहरण एवं मिसाल बनेगा। कलेक्टर ऊषा परमार ने तालाब के कायाकल्प की विस्तृत रूपरेखा व कार्ययोजना की जानकारी से अवगत कराया। साथ ही प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मिले सहयोग तथा कार्यों की सतत मॉनिटरिंग के साथ जनसहयोग व आर्थिक मदद एवं उपयोगी सलाह तथा सुझाव की सराहना की। इसके अलावा निजी एनजीओ सहित अन्य संगठनों की मुहिम में सराहनीय भूमिका की जानकारी भी दी। इस दौरान लगभग 40 दिवस की अवधि में समय समय पर श्रमदान कार्यों का जिक्र कर आगामी दिवसों में कुछ शेष कार्यों को पूर्ण कराने की बात कही। जिला कलेक्टर ने कहा कि नगरवासियों को प्राचीन तालाब की स्वच्छता से लाभ मिलने के साथ ही बेहतर स्थल की सौगात भी मिली है। कार्यक्रम स्थल पर जनप्रतिनिधि और अधिकारियों द्वारा पौधे रोपे गए। अतिथियों ने तालाब के सफाई कार्य में योगदान देने वाले श्रमिकों का स्वागत व सम्मान किया।

वर्षा ऋतु आते ही क्षेत्र में सजने लगी अवैध रेत की दुकान

हजारों ट्रैक्टर रेत सड़क किनारे रेत माफिया ने की जमा

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 06 जुलाई। अजयगढ वर्षा काल शुरू होते हैं केन नदी में अधिक पानी आ जाने के कारण रेत की निकासी अब बंद हो जाती है रेत माफिया सीजन से पहले केन नदी से अवैध रूप से रेत निकाल कर जगह-जगह 50-100 ट्राली टैक्टर रख लेते हैं जो बरसात के सीजन में नदी से रेत का न आना पानी अधिक भार जाने के कारण रेत नहीं मिलती तव यह रेट महगे दाम पर बेची जाती है क्योंकि मौके पर रेत न मिलने से दाम बढ़ जाते हैं।

रेत माफियाओं के द्वारा जगह-जगह ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत को एकत्रित किया जाता है और सड़क किनारे ज्यादातर यह रखते हैं जिसमें अधिक वर्षा होने पर भी रेत को उठाया जा सके जैसे बड़ी रूध में बहादुरगंज के आगे रेत के अवैध डंम्फ लगाए गए हैं इन अवैध डम्फकी ना तो कोई रॉयल्टी है और ना ही इनकी शासन स्तर पर रखने की कोई वेध मंजूरी है परंतु यह सरकारी जमीनों पर ज्यादातर डाल दी जाती है और दुगने दामो पर बेची जाती है इन रेत माफिया की रकम दुगनी हो जाती है। खनिज विभाग को चाहिए कि क्षेत्र का भ्रमण करके अवैध रूप से भंडार रेत को जप्त करके शासन की रॉयल्टी की जांच करके अवैध रेत के भंडारण को जप्त किया जाए।

बेतहाशा बिजली कटौती जारी कम्प्लेन नम्बर कभी नहीं लगता

पन्ना, 06 जुलाई। पन्ना जिला मुख्यालय सहित समूचे जिले में बेतहासा बिजली कटोती जारी है जैसे ही बिजली जाती है तो जिला मुख्यालय मे स्थापित शिकायत एवं संपर्क के लिए दो नम्बर नियत है जो कभी नही लगते है जिस कारण यह पता नहीं चल पता अभी कितने समय तक लाइट नहीं आयेगी जिस कारण नगर वासियों में आक्रोस देखा जा रहा है। जिले में भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली आपूर्ति की बदहाल व्यवस्था ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार हो रही बिजली कटौती के कारण लोगों की नींद हराम हो गई, वहीं इनवर्टर और उपकरण भी बार-बार बंद होते रहे। उपभोक्ताओं का कहना है कि कल रात करीब 10 बजे से सुबह 7 बजे तक बिजली की आपूर्ति लगातार बाधित रही।

सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ रहा ग्राफ, जिम्मेदार उदासीन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 06 जुलाई। जिले में सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है आए दिन सडक हादसों में नौजवान अपनी जान गवां रहे हैं मगर पन्ना जिले के अधिकारियो को इसकी भनक तक नहीं। जिले में परिवहन व्यावस्था को दुरूस्त रखने की जिम्मेदारी जिले के परिवहन विभाग अधिकारी के ऊपर निर्भर करता है।

सूत्रों की माने तो बताया जा रहा है कि जिले के अधिकारी ही अपने ऑफिस से नदारद रहते हैं और कार्यालय दलालों के भरोसे चल रहा है। जिसके कारण आए दिन जिले में हादसों का सिलसिला बढ़ते ही जा रहा है वहीं गाड़ियां सड़कों पर चल रही है जिसका जीता जागते उदाहरण देखने को आए दिन मिलते हैं। लाइसेंस बनवाने से रिन्यू कराने तक दलाल ही तय करता है दाम। नया वाहन खरीदना जितना आसान हो चुका है उसमें कहीं ज्यादा कठिन आरटीओ का काम करना है परिवहन विभाग ने भले ही सारे काम ऑनलाईन कर दिए हो लेकिन वाहन चालक को अब भी हर काम के लिए आरटीओ के चक्कर लगाने ही पडते हैं यहां पहुंचने के बाद उन्हें आरटीओ का छोटे से छोटा काम कराने के लिए दलाल की मदद लेनी होती है।

माईनिंग के क्षेत्र में पन्ना जिले का नाम सदा के विख्यात रहा है फिर चाहे रेत का खनन या हीरा का। समस्त मामलों पन्ना अन्य जिलों की तुलना में हमेशा आगे रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमेशा करोड़ों रूपये का राजस्व देता आया है। अगर हम बात रेवेन्यू की करें तो मध्य प्रदेश सरकार के खजाने में खजाना भरने के नाम पन्ना जिले का भी अच्छा खासा स्थान है। जिले में हो रहे विभिन्न अव्यवस्थाओं के बीच जिले के अधिकारी सजग नहीं दिखाई दे रहे हैं। दिनों दिन बढ़ते प्रदूषण एवं बेरोजगारी के साथ सडक दुर्घटनाओं के मामले में फिलहाल किसी प्रकार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

दौड़ रहे बिना नम्बरों के ट्रक एवं ट्रैक्टर

इन सबके बीच सबसे बडी बात तो यह है कि संबंधित अवैध कार्यो में संलिप्त ट्रेक्टर चालकों के नंबर तक नहीं लिखा जाता अब यह ट्रेक्टर दिन और रात जिला मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में थाना और चौकियों से होकर निकलते रहते हैं परंतु न तो इन ट्रेक्टरों पर पुलिस कार्रवाई करने की जहमत उठाती है और न तो कभी परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस तरफकोई ध्यान देते हैं बीते दिनों अवैध परिवहन करने में लगे ट्रेक्टर से दुर्घटनाग्रस्त होने वाले युवक की जान चली गई। लेकिन परिवहन विभाग सबक लेने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में दिनों दिन बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढोत्तरी के पीछे एक तरफजहां लापरवाह चालकों के द्वारा वाहनों को चलाया जाना है तो वहीं दूसरी तरफयातायात नियमों की अनदेखी भी इसका एक बडा कारण है। पन्ना जिले में होने वाली सडक दुर्घटनाओं के कारण जान गवांने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिला है। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि जिले मे हो रही सडक दुर्घटनाओं के आंकडे बता रहे हैं एक आंकडे के अनुसार जिले मे हर वर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग कई सैंकड़ों लोग अपनी जान से हांथ धो बैठे हैं परंतु सडक दुर्घटना होने के बाद एक तरफजहां मृत व्यक्ति सडक पर ही पडा रहता है।